VOL. 49, JULY - SEPTEMBER 2014
FOR FREE CIRCULATION
WITHOUT ANY COMMERCIAL OBJECTIVE

In the Name of GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

Only for those wise, who do not want
to regret, at and after, death

**देहान्त के समय व परलोक में पछताना न पड़े,
ऐसा भाग्यशाली बनने के लिए क्या करें?**

**'कम पवित्रता' (less honesty) के अल्प धन के साथ
परलोक यात्रा कितनी कठिन होगी?**

**ईमान के जाते ही खुशहाली कैसे भाग जाती है?
When honesty goes, happiness runs away. How?**

**ईश्वर (Life Energy) चतुराई, कपट को
punish कैसे करता है?**

**औकात से हैसियत में
कैसे आएँ?**

**TURN to God before you
RETURN to God**

Mission Happiness®

Mission Consciousness®

e-mail : contact@missionhappiness.in

visit us at www.missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

भूखी-प्यासी आत्मा / तब क्या खुश है परमात्मा?

यह पढ़कर हैरानी तो हो सकती है, कि क्या आत्मा भी कभी भूखी प्यासी हो सकती है? लेकिन हैरानी से ज्यादा परेशानी तब होगी, जब यह समझ में आने लगेगा कि यदि आत्मा की भूख और प्यास, इसी जन्म में नहीं तृप्त हुई, तब body की death से पहले भी और बाद में भी, बहुत महँगा सौदा होने वाला है।

जैसे physical body की appetite और thirst न मिटाने पर **कष्ट** उत्पन्न हो जाते हैं, ठीक उसी प्रकार आत्मा के भूखा-प्यासा रहने से **क्लेश** उत्पन्न हो जाते हैं।

Body के लिए तो दिन में 3-4 times भोजन, और आत्मा के लिए morning में 10-15 minutes में उपासना की रस्म निभाकर, अपने को धन्य मान लिया जाता है। प्रत्यक्ष प्रमाण सामने है।

आत्मा रो रही है, हाय-तौबा मची हुई है चारों तरफ।

आत्मा चीख भी रही है, हमदर्दी, दया, सत्य और प्रेम का अकाल है चारों तरफ।

Results : Punishment मिल रही है, body & mind को। Hospitals भरे हुए हैं। अदालतों में भीड़ लगी हुई है, घर-घर में क्लेश हैं। छोटे, बड़ों की सुन नहीं रहे। बड़े भी बेइज्ज़ती सहते-सहते सहम गए हैं, श्राप अपने आप निकलने लगते हैं। Money तो बहुत है पर mind परेशान है। Of course, exceptions are there, but exceptions are no rules.

Reasons : अपने जन्म और body death पर ध्यान कम और दूसरों पर अधिक। **बनावटीपन** और **दिखावा ज्यादा**, **originality कम**। अपने **ज़मीर** को नहीं, **ज़माने** को देखना। जो ज़्यादा लोग कर रहे हैं, उसी को follow करते रहना। सच्चा बनने और करने की हिम्मत न होना।

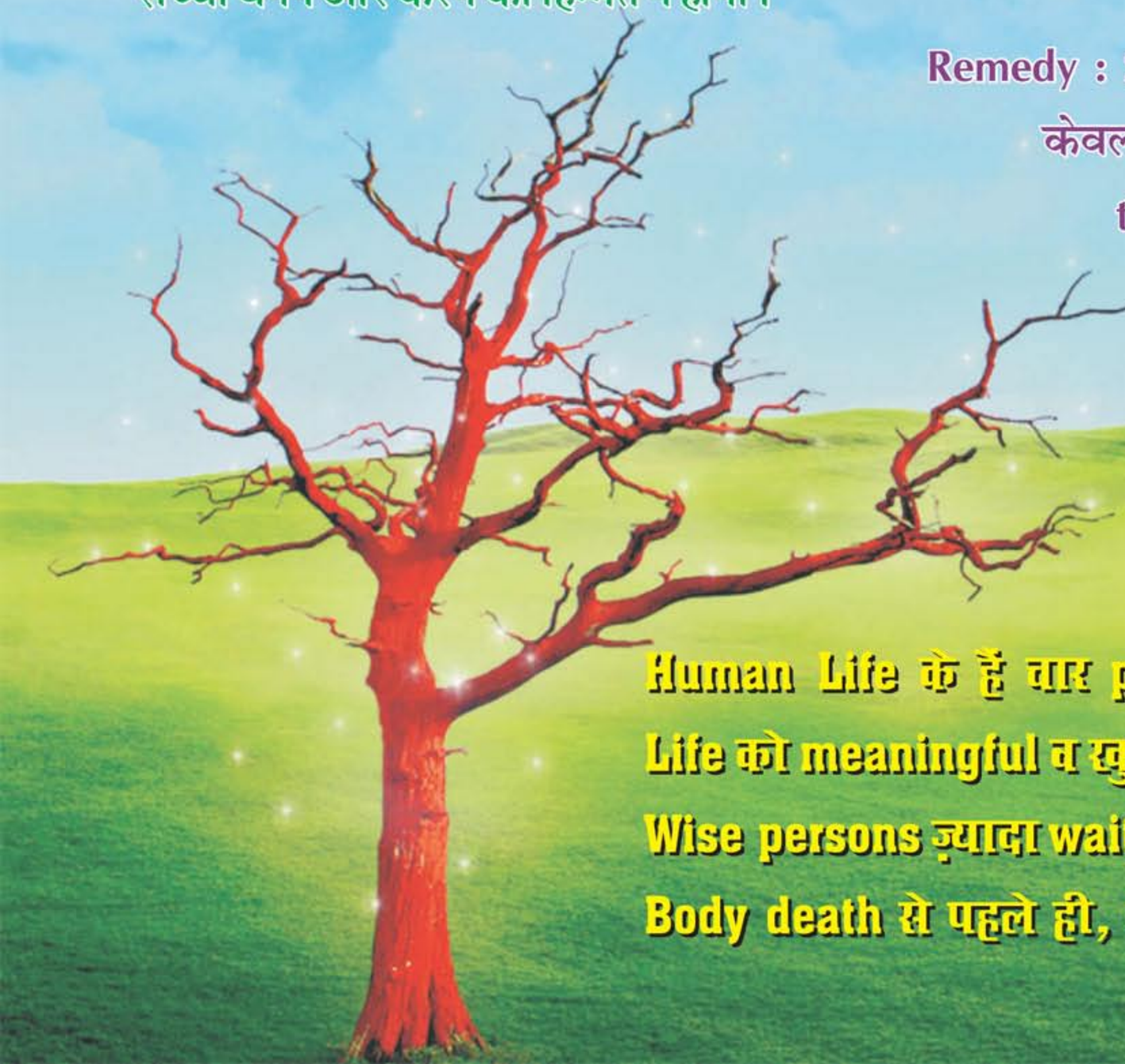

Remedy : Soul and Mind की importance को समझना। केवल सुबह ही नहीं, दिन भर कर्म करते हुए, God को thanks देते रहना, loudly और मन में भी। अपनी body की death को remembrance में रखते हुए, अपने तथा सभी पर तरस व रहम करना। अन्दर छिपा हुआ देवता अपने आप जाग उठेगा और wellness + happiness आने लगेगी।

Human Life के हैं चार parts - Body, Mind, Intellect और Soul
Life को meaningful व खुशहाल बनाने में चारों का होता है Equal Role.
Wise persons ज़्यादा wait नहीं करते, उन्हें reminders ही होते हैं काफी,
Body death से पहले ही, वे अपने व अपनों से मांग लेते हैं सच्ची माफी।

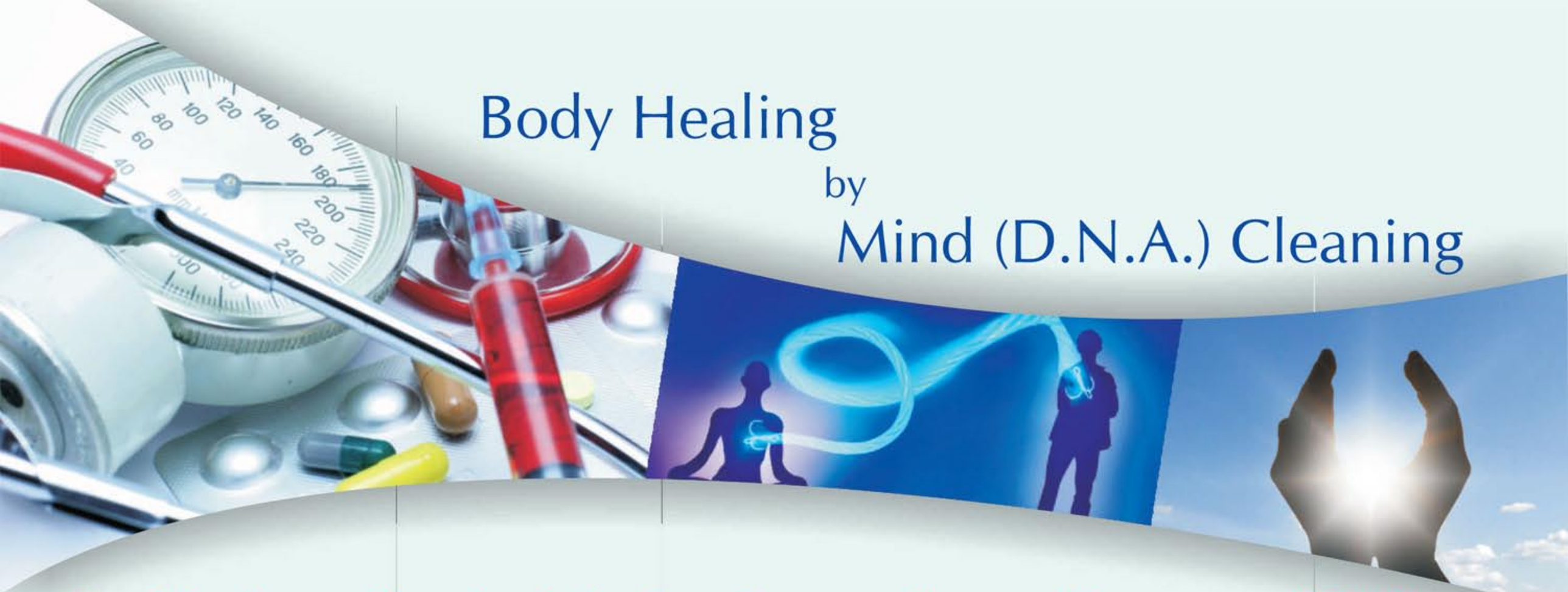

Body Healing
by
Mind (D.N.A.) Cleaning

जिनको ज़िन्दगी भरपूर जीने का शौक होता है, वही life की discovery में deep जाते हैं, heights तक पहुँचने के लिए। तकलीफें क्यों आती हैं life में, यह जानना कठिन नहीं है, जब घटनाओं को analyse किया जाता है, divine laws के scales पर। आजकल almost हर घर में बीमारी है, diseases या disorder की form में।

'TREATMENT' और 'HEALING', यह दो शब्द literate class में daily बोले या सुने जाते हैं, लेकिन दोनो में ज़मीन आसमान का difference है, यह शायद realise न हो पाता हो।

Physical body के इलाज को TREATMENT कहते हैं।

मन व आत्मा की खुराक को HEALING कहते हैं।

TREATMENT visible होती है, जबकि HEALING - invisible. यह दो अलग अलग words नहीं हैं, यह तो life style के दो भिन्न मार्ग हैं। TREATMENT of body - temporary solution होता है। Whereas HEALING of soul, permanent remedy होती है। TREATMENT में धन तो खर्च होता ही है, tension भी कम नहीं होती। HEALING में न तो धन खर्च होता है, साथ ही peace + happiness अपनी तथा surroundings की बढ़ती चली जाती है।

TREATMENT में external help required होती है।

HEALING में self help and self dependence increase होती जाती है।

इसीलिए जागरूक doctors, worldwide अपने patients को initially कुछ समय तक तो तो TREATMENT देते हैं, लेकिन long term के लिए patients से friendly bonds establish करके उनकी HEALING करने लगे हैं। इससे दोनो पक्षों को ही फायदा होने लगता है।

Patients का खर्चा व तकलीफ कम होती हैं।

Doctors को blessings, both, horizontal as well as vertical इतनी मिलती हैं कि उनकी income कम नहीं होती, अप्रत्याशित, unexpected expenses, losses, tension ज़रूर कम होते जाते हैं। ऐसा क्यों?

Because TREATMENT, artificial method होने के कारण, केवल illness दूर करती है, जबकि HEALING एक natural phenomenon है, जो wellness को जन्म देती है।

ILLNESS की ABSENCE और WELLNESS की PRESENCE, यही तो DIVINE LIFESTYLE है।

मौत से ज़्यादा ज़िन्दगी को कोई अच्छा समझा नहीं सकता,
किया हुआ कर्म, फल दिए बिना कभी जा नहीं सकता,
किए हुए पाप को कोई भी पुण्य मिटा नहीं सकता,
सुख में भी न जागे, तब दुख से कोई बचा नहीं सकता।

God से continuous connection — Maximum Happiness, Minimum Tension

God - Hello! My Child, क्या सोच रहे हो ?

मानव - God Father, आपके साथ friendship कैसे करूँ ?

God - Very nice, बहुत समझदारी की बात की। मेरे साथ मित्रता करके ही तुम सहज, सरल और सफल life lead कर सकते हो।

मानव - पर आपके साथ दोस्ती करूँ कैसे ? आप तो ऊपर वाले हो।

God - Oh my loving child! ऊपर वाला, means आसमान वाला नहीं। ऊपर की सोच और ऊँची समझ वाला, higher consciousness, higher awareness, higher energy, higher vision वाला ही ऊपर वाला होता है।

मानव - चलिए ! बहुत अच्छा समझाया, आपने, ऊपर वाले का practical अर्थ। अब आपसे friendship कैसे करूँ, कोई easy method बताइये। मैं shortcut में विश्वास रखता हूँ।

God - My innocent child, shortcut के चक्कर में ही तो तुम्हारी life में short circuit हो गया है, चारों तरफ बेवकूफी की आग लगा ली है। मेरे साथ दोस्ती का मतलब, इस भौतिक संसार में जो कुछ भी है, व्यक्ति, वस्तुएँ, परिस्थितियाँ, सभी से दोस्ती करो।

मानव - सभी से दोस्ती कैसे ? चलो माँ से दोस्ती कर ली, परन्तु papa कहाँ दोस्ती करने वाले हैं ? शादी के दो-तीन साल बाद पति या पत्नी भी एक-दूसरे से दोस्ती छोड़ बैठते हैं ? बस रिश्ता निभाना ही ज्यादा जरूरी समझते हैं।

God - Yes, you are right. पापा कुछ distance रखते हैं या पति-पत्नी कुछ-कुछ रूखे हो जाते हैं, परन्तु तुम तो प्रत्येक रिश्ते को मेरे gift के रूप में देखो। माता-पिता, पति-पत्नी, बहन-भाई, बच्चे, यह सब तो मैने तुम्हारी goodness test करने के लिए gift के रूप में दिए हैं। इन रिश्तों को मेरी अमानत समझते ही तुम्हारी inner strength, ज्योति से ज्वाला का रूप ले लेगी। Divine miracles होने लगेंगे।

मानव - चलिए God जी ! मान लिया कि सभी रिश्तों की पवित्रता और मर्यादा से आपकी blessings प्राप्त करना आसान हो गया, किन्तु भोजन या नींद, इत्यादि से आपका connection कैसे है ?

God - मेरे प्यारे लाल ! मैं God - एक life energy हूँ। केवल भोजन ही नहीं, पहले भूख, फिर digestion के रूप में भी मैं ही मित्र स्वरूप तुम्हारी जीवन लीला चलाता हूँ।

मानव - अरे ! यह तो मैंने कभी सोचा ही नहीं। खाना खाया, excretion किया, toilet गए-बस। यह तो मैं अपनी दिनचर्या का हिस्सा समझता था।

God -हाँऽऽऽ ! इसी को तो पशुवृत्ति कहते हैं।

खाया-पिया, सोया,
हीरे जैसा जन्म, कौड़ी में खोया।

भूख के रूप में या digestion के रूप में प्रकट न होऊँ तो तुम सीधे doctor के पास भागते हो। Hospital जाने का मतलब ही यही है कि मेरे साथ तुम्हारी दोस्ती कमज़ोर पड़ गई है। तुम मुझे thanks तक नहीं दे सकते। कोई तुम्हे थोड़ा सा favour कर दे तो, thank you, thank you कहते नहीं थकते। जब मुझसे तुम gratitude, आभार के माध्यम से जुड़ते नहीं हो, तब मैं तुम्हे तकलीफों (तुम्हारे कर्मों के अनुसार) से अपनी याद दिलाता हूँ।

मानव - Yes, God जी, तुम्हारा concept ही जब clear नहीं था, तब दिन में तुम्हे धन्यवाद देते हुए तुमसे दोस्ती करने के कितने chances गँवा दिए और formality निभाते हुए, बाहर के स्थानों पर जाकर मत्थे टेकता रहा। अब ऐसा नहीं होगा। Thank you God, thank you करता-करता तुम्हारे इतने निकट आ जाऊँगा, कि बस तुम्हारे जैसा होने लगूँ।

God - हाँ ! मेरे बच्चे, तुम्हे प्यास लगे, जल पीकर, नींद आए, bed पर सोकर, हर समय तो मैं as a life energy विभिन्न रूपों में तुम्हे ज़िन्दा रखते हुए, comfort दे रहा हूँ। बस, उसको महसूस करो, फिर देखो, ईश्वरीय गुण, divine virtues तुम्हारे अन्दर और बाहर कैसे आसानी से प्रकट होने लगेंगे।

मानव - क्या करूँ God जी, अपने आस-पास जो कुछ लोगों को करते देखा, उसी को सच मान बैठा और तुम्हारे साथ free होने के स्थान पर formal हो गया। सत्य की कभी तलाश ही नहीं की। तुम्हारा सबसे बड़ा चमत्कार, यह मेरा शरीर, जिसमें तुमने मुझे आसीन करके कुछ समय के लिए पृथ्वी रूपी स्कूल में भेजा हुआ है, किसी उपासना स्थल से कम तो नहीं है।

God - अब, समझ में आया। मेरे से मित्रता का अर्थ है, body पर mind का ध्यान, mind पर बुद्धि का पहरा, एवं बुद्धि से आत्मा का संगम, इन चारों की एकता, ध्यान, meditation, chanting से करते हुए oneness & wellness को अनुभव करने को ही Godness कहते हैं।

Guarantee from God

इस conversation को
One time reading करने से -
20% temporary फायदा
Second time study करने से -
40% short term gain
Third time analyse करने से -
70% understanding
Fourth time realise करने से -
100% life changes

FOR CONDUCTING DIVINE SYMPOSIUM BLENDED WITH MUSIC AND PRACTICAL METHODS (FREE OF ANY CHARGES).
CONTACT NOS. : 9837032053, 9536824265

Open Secret of Hell and Heaven

स्वर्ग व नरक पहुँचने का रहस्य

सभी धर्मों का सार

स्पष्टता / Clarity

समभाव / Oneness

शीतलता / Coolness

साहस / Courage

ईमान / Honesty

शान्ति / Peace

दान / Charity

दया / Mercy

सत्य / Truth

प्रेम / Love

60-70 years of body life

Birth of Body

Death of Body

जीवात्मा के स्वर्ग (जन्नत) पहुँचने के लक्षण

जीवात्मा के नर्क (दोजख) पहुँचने के लक्षण

अहंकार / Ego

गुस्सा / Anger

लालच / Greed

धोखा / Cheating

चालाकी / Cleverness

कुण्ठा / Frustration

ईर्ष्या / Jealousy

दोमुँहापन / Double face

भय / Fear

भेदभाव / Discrimination

Mission Happiness® में

मृत्यु (सत्य) से मित्रता

तभी Business में पवित्रता

Life का एक ही सत्य है – Death (of body). इसी एकमात्र सत्य की आँखों से जब हर वक्त, हर person के साथ, हर कार्य को देखा जाता है, तब सत्य की शक्ति से रिश्तों में पवित्रता अपने आप आ जाती है। जैसे ही चार कन्धों की यात्रा का ध्यान किया, cleverness, लालच, ठगी, छीना-झपटी, वह भी गरीबों और बीमारों से अपने आप ही भाग जाती है।

Mission Happiness के सभी products में, शरीर की मृत्यु रूपी light, प्रकाश से honesty in quality and price की चमक देखी जा सकती है। कैसे?

Patients के लिए Non Cheating, Neat and Clean Products
Doctors के लिए देवत्व, Divinity, Nourishing Services
Chemists के लिए घर में खुशहाली लाने वाला पाक-पवित्र लाभ
नीयत, intention का role बहुत ज्यादा important होता है।

For example, prices increase करके, marketing में होशियारी की, तब, manufacturing में भी lower quality का raw material + solvent use होना तय है। Patients को क्या पता कि उसके साथ क्या-क्या game खेले जा रहे हैं। परन्तु God तो सब कुछ देख रहा है।

Actually deal हो या gifts – सभी कुछ गरीब, बीमार, बदनसीबों के घर से ही आते हैं। अब उस deal, gifts के साथ बदनसीबी की तरंगें चुपचाप चिपक कर आती हैं और अदृश्य रूप से घर-परिवारों तक पहुँच जाती हैं।

इसी ईश्वरीय डर से Ibumax Tablets और Opul जैसे hot selling products की price मात्र 5 paise/tab. ही increase हुई। जबकि other brands की price अभी भी 30-40% ज्यादा है। Other products की भी minimum price rise, बस इतनी कि survival हो सके और divine life का revival हो सके।

One very important point, doctors से यदि, visits के base पर products prescribe कराते हैं, तब 2-3 days तक prescribe करके, वे दूसरे brands पर shift हो जाते हैं, क्योंकि other companies को भी share देना होता है।

जबकि product की honesty + merit के base पर selection करने से doctors की आत्मा भी प्रसन्न होती है, तब वह regularly product prescribe करते हैं, मन से नहीं आत्मा से।

तब patients और परमात्मा ही नहीं, सभी के पूर्वजों की आत्माओं को भी पवित्रता, शान्ति और प्रसन्नता का आभास होने लगता है।

जैसे ही समझ में आने लगे, ईश्वरीय शक्तियों के Regulations and Rule,
Stanford Biotech नामक Company बन गई, Divine Life का School,
Medicines का business तब से हो गया, पवित्रता spread करने का Tool,
So, यह दुनिया छोड़ते समय, Soul होगी Peaceful और Mind रहेगा Cool,

Discovery of Life

औकात से हैसियत में कैसे आएँ?

औकात और **हैसियत**, दोनो ही बड़े common शब्द हैं, परन्तु इनका deep meaning समझकर ही, ज़िन्दगी की खोज की जा सकती है। जब भी झगड़ा होता है, सामने वाला कहता है – 'तेरी **औकात** बता दूँगा'। Bank जाते हैं, loan लेने या व्यापार में लोग **हैसियत** पूछते हैं। **औकात** means minimum value. **हैसियत** means maximum value. Life एक ही है, choice हमारी है, इसे **औकात** में जी लें या **हैसियत** में।

Example No. 1. - धन या किसी भी subject को लेकर हमारा किसी से मतभेद हो गया, अब हम दूसरे से जोर-जोर से लड़ने लगें, शोर मचाएँ, यह तो हमारी **औकात** हो गई। वहीं बड़ी शालीनता से, धैर्य से विवेकपूर्ण वार्तालाप करके पेश आएँ, यह **हैसियत** हो गई।

Example No. 2. - घर में पति है, पत्नी है, बच्चे हैं – उन पर रौब दिखाना, धमका कर काम करवाना, डाँटना, यह हमारी **औकात** हो गई। पति या पत्नी या बच्चों से मित्रतापूर्ण, equality के base पर relation बनाना, यह **हैसियत** हो गई।

Example No. 3. - घर या office में वस्तुएँ, टेढ़ी, तिरछी पड़ी हों, गन्दगी हो – यह हमारी personality की **औकात** हो गई। वहीं सब कुछ साफ, व्यवस्थित हो, यह हमारे character की **हैसियत** हो गई।

Example No. 4. - हमने अपने या किसी से कोई promise करके पूरा नहीं किया – समय से, यह हमारी **औकात** बता देता है। On the other hand - time से promise पूरा करना, यह चरित्र की **हैसियत** हो गई।

Example No. 5. - धनी बनने के process में लालची बन गए, पाप-पुण्य का ख्याल न किया, यह हमारी **औकात**, lowest value of mind सिद्ध कर देता है। दूसरी तरफ, धनी तो बनना है, किन्तु दूसरों को cheat करके नहीं, greedless होकर, value based होकर, यह हमारी **हैसियत** हो गई।

In this way बुद्धि का सदुपयोग करके हर क्षण, हर काम में हम अपनी औकात को हैसियत में बदलकर, ROYAL, KING LIKE LIFE LEAD कर सकते हैं।

रखकर हैसियत का ध्यान, जो जीवन नहीं जीते Artificial
उनके relations किसी के भी साथ नहीं होते Superficial
खुद तो successful होते हैं, दूसरों के लिए बनते Beneficial

God Bless You with Truth + Love + Peace + Happiness

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in Printed by : CANNON